नामांक Roll No.

No. of Questions – **28**

No. of Printed Pages – **08**

SS-26-Raj. Sah.

राजस्थानी साहित्य (RAJASTHANI SAHITYA)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2021

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

(1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न-पत्र माथै नामांक लिखों ।

(2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है ।

(3) हरेक सवाल रौ पडूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।

(4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।

(5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।

(6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पडूत्तर देवौ ।

(7) पडूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

(8) पूर्णांक अर प्रश्नांक ठावी ठौड़ लिखियोड़ा है ।

OFFICE COPY

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक भार
खण्ड-अ	1 (i सूं x), 2 सूं 11 = 20	1	20
खण्ड-ब	12 सूं 19 = 8	2	16
खण्ड-स	20 सूं 23 = 4	4	16
खण्ड-द	24 सूं 25 = 2	5	10
खण्ड-इ	26 सूं 28 = 3	6	18

खण्ड – अ

1. नीचै लिख्यां प्रश्नां रा पड़ूत्तर सही विकल्प रो चयन कर'र उत्तर–पुस्तिका मांय लिखो –

(i) उज्जेण नगरी में कुणसो राजा राज करे हो ?

(अ) राजा पिरथीराज (ब) राजा भोज

(स) राज राम (द) अचलदास 1

(ii) 'कनक–सुन्दर' किणरी रचना है ?

(अ) बैजनाथ पंवार (ब) मुरलीधर ब्यास

(स) शिवचन्द्र भरतिया (द) करणीदान बारहठ 1

(iii) "थांरी खेती–पाती सूं म्हारी दूकान रौ आटौ–साटौ करता व्हौ तो ना कोनी ।" आ बात कुण कैयी ?

(अ) भोमजी (ब) ओमजी

(स) बादरजी (द) रामदयालजी 1

(iv) 'आज रो सरवण' किण गद्य–विधा रो लेखन है ?

(अ) कहाणी (ब) उपन्यास

(स) लघुकथा (द) एकांकी 1

(v) रणमल्ल छंद किण भांत री रचना है ?

(अ) वीर रसात्मक (ब) भक्तिपरक

(स) नीति–बोधपरक (द) शृंगार रसात्मक 1

(vi) साल्हकुँवर कठै रो राजकुमार हो ?

(अ) नरवरगढ़ (ब) पोकरण

(स) राजगढ़ (द) देवगढ़ 1

OFFICE COPY

(vii) 'देवीयांण' रा रचयिता कुण मानीजै ?

(अ) सूरजमल मीसण (ब) बाँकीदास आसियाँ

(स) रामदास महियारिया (द) ईसरदास बारहठ 1

(viii) छंदा रा केई भेद – उपभेद है पण मोटे रूप सूं छंद कितरी भांत रा व्है ?

(अ) दो (ब) तीन

(स) सात (द) पाँच 1

(ix) कवि रघुराजसिंह हाडा री कविता 'काजली तीज' किण काव्य-संग्रै सूं पाठ्यक्रम में राखीजी है ?

(अ) फूल केसूला फूल (ब) अणवाच्यां आखर

(स) घूघरा (द) म्हारौ गांव 1

(x) 'धर कोसां धर मजलां' निबंध-संग्रै रा निबंधकार है

(अ) जहूर खाँ मेहर (ब) मूलदान देपावत

(स) शक्तिदान कविया (द) लक्ष्मीकुमारी चूडाँवत 1

OFFICE COPY

नीचै लिख्यां प्रश्नां रा पडूत्तर अेक ओळी में लिखों – अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-संख्या 2 सूं 11 तक

2. राजा भोज रै मित्तरां रा नांम लिखों । 1

3. 'सुख-दुख' बाबत स्वीडिस कहावत रो भाव कांई है ? 1

4. 'सवाल शुद्धता' रो व्यंग्यपरक रचना रां रचनाकार रो नाम लिखों । 1

5. 'गाय कठै बांधूं' कहाणी किण शैली री रचना मानीजै ? 1

6. 'ढोला मारु रा दूहां' काव्य–रूप री दीठ सूं किण प्रकार री रचना है ? 1

7. सिद्ध जसनाथजी समाधी कद अर कठै ली ? 1

8. 'ईसरा सो परमेसरा' रै बिङद सूं कुण सो कवि बखाणीजै ? 1

9. आचार्य विश्वनाथ काव्य री परिभाषा कांई दी ? लिखो । 1

10. श्रव्य काव्य रा मुख्य भेद बताओ । 1

11. राजस्थानी रो प्रमुख रीतिग्रन्थ, जिणमें अलकारां रो वरणन करीज्यौ है । नाम लिखों । 1

खण्ड – ब

नीचै लिख्यां प्रश्नां रा पडूत्तर **30** शब्दां रै लगैटगै लिखों – (प्रश्न सं. **12** सूं **19** तक)

12. अचलदास रै वीरतापूर्ण व्यक्तित्व री मूल विशेषतावां लिखो । 2

13. 'कनक सुन्दर' उपन्यास रो मूल उद्देश्य स्पष्ट कराओ । 2

14. 'अलेखू हिटलर' कहाणी रै मुजब लेखक विजयदान देथा री भाषा–शैली री मुख्य विशेषतावां लिखों । 2

15. 'आज रो सरवण' लघु कथा यथार्थ बोध रो साचों चित्रण प्रस्तुत करें । स्पष्ट कराओ । 2

16. 'ढोला–मारु रां दूहा' में वर्णित मारवणी रो सन्देश आपरां शब्दा में लिखों । 2

17. 'आयौ इंगरेज मुलक रै ऊपर' नामक पठित डिंगल गीत रो मूल भावार्थ लिखों । 2

18. 'लिछमी' नामक कवितां में कवि रेंवतदान चारण रो सुभग सन्देस उजागर करो । 2

19. 'काजली तीज' कविता में निहित सन्देस स्पस्ट करो । 2

OFFICE COPY

खण्ड – स

प्रश्न संख्या **20** सूं **23** तक रा प्रश्नां रा पड़ूत्तर लगैटगै **60** शब्दां में लिखो –

20. अलंकार री परिभाषा देय'र अनुप्रास अलंकार ने भेदोपभेद सहित समझावौ । **4**

अथवा

हरिरस हरि रस ऐक है, अन रस अनरस आंण ।

विण हरिरस हरि भक्ति विण, जनम व्रथा कर जांण ।।

ऊपर लिख्योड़े पद्यांश में कुणसो अलंकार है, पहचाण कर'र उणरी परिभाषा देय'र समीक्षा करो । **4**

21. कुण्डलियों नामक छंद री सौदाहरण व्याख्या करो । **4**

अथवा

" 'छप्पय' डिगल रो प्रतिष्ठित छंद है ।" इण ओळी ने ध्यान में राखतां थकां छप्पय छंद री सौदाहरण व्याख्या करो । **4**

OFFICE COPY

22. "मध्यकाल, राजस्थानी साहित्य सृजण री दीठ सूं सुवरण काल है" इण कथन नै समझावौ । **4**

अथवा

आधुनिक राजस्थानी काव्य री काव्यगत विशेषतावां बताओ । **4**

23. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधा 'कहाणी' री विकास–यात्रा माथै एक टीप लिखों । **4**

अथवा

आधुनिक राजस्थानी गद्य री मुख्य विधावां रो परिचय देय'र समीक्षात्मक टीप लिखों । **4**

खण्ड – द

प्रश्न संख्या **24** सूं **25** तक रा प्रश्नां रा पडूत्तर **80** शब्दा में लिखों –

24. नीचै लिख्यां गद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करो – 5

"दुख रो कारण मोह अर आसक्ति भी है । औ म्हारौ है । म्हारौ इणरै साथै संबंध है । माँ, बाप, भाई, भाण, बेटो–बेटी, दादा–दादी, नाना–नानी, मामा–मामी, साल़ी–साल़ौ, बैनोई, नणदोई न जाणे कितां संसारी रिस्ता–नाता है जिकां रै मोह बंधन सूं ओ मानवी बंध्योड़ौ है ।"

अथवा

"सांच ने आंच नहीं – सचावट दुनियां माहे मोटी चीज छै । सच्चा आदमी पर सारां को विस्वास बैठ जावै । विस्वास बैठ्यां पीछै कोई बात की कमती नहीं, साच नै कठै भी डर नहीं, धोकौ नहीं और खराबो नहीं, सांच ऊपर सूर्य, चन्द्र, तारा, प्रथ्वी चाल रह्या छै । "

OFFICE COPY

25. नीचे लिख्यां पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करो : 5

तूं हीज सज्जण मित्त तूं, प्रीतम तूं परिवांण ।

हियड़ई भीतर तूं बसई, भावइ जाण मं जाण ।।

हूँ बल़िहारी सज्जणां, सज्जण मो बल़िहार ।

हूँ सज्जण पग पानही, सज्जण मो गल़हार ।।

अथवा

धिन धिन वे धरती रा जाया, जो निज आपौ मेट ।

नयौ रूप आकार धरा नैं, जो कर जावै भेट ।।

खण्ड – इ

नीचे लिख्यां प्रश्नां रा पड़ूत्तर निबंधात्मक रूप में दिरावों :

26. 'अचलदास खीची री वचनिका' रो साहित्यिक सौन्दर्य निरूपण करो । 6

अथवा

'सुख–दुख' नामक पठित निबन्ध रो भावार्थ आपरे सबदां में लिखों ।

27. 'देवीयांण' में शक्ति रै विराट सरूप री दिव्य छटा दरसायी है । उदाहरण साथै स्पस्ट करों । 6

अथवा

'ढोलां मारु रा दूहां' में वर्णित मारवणी री विरह–वेदना ने आपरे सबदां में लिखों ।

OFFICE COPY

28. नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी **एक** विषय माथै निबंध लिखों – 6

(i) म्हारौ प्रिय साहित्यकार

(ii) राजस्थान रा तीज–त्यौहार

(iii) मातृभाषा अर शिक्षा

(iv) विध्यारथी जीवन अर अनुशासन

(v) पर्यावरण चेतना